

S.D.E.

T.Y.B.A. (2008 COURSE) : SUMMER - 2018

SUBJECT: HINDI (S-6)

Day: Friday
Date: 20/04/2018

Time: 03.00 PM TO 06.00 PM
Max. Marks: 80

S-2018-4111

सूचनाएँ:

- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- 2) दाहिनी ओर दिए हुए अंक गुणों का निर्देश करते हैं।
- 3) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए।

विभाग -1

- प्र. 1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दीर्घ उत्तर लिखिए: (16)
- अ) 'भारत दुर्दशा' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।
ब) 'ध्रुवस्वामिनी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
क) 'पृथु' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- प्र. 2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दीर्घ उत्तर लिखिए: (16)
- अ) 'चारुमित्रा' एकांकी के उद्देश पर प्रकाश डालिए।
ब) मनोज और अमरनाथ के चरित्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
क) उपेन्द्रनाथ 'अशक' का परिचय दीजिए।
- प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: (16)
- अ) 'कोऊ नहीं पकरत मेरो हाथ।
बीस कोटि सुत होत फिरत मैं हा-हा होय अनाथ।
जाकी सरन गहत सोई भारत सुनत न कोऊ दुःखगाथ।
दीन बन्यौ इत सों उत डोलत टकरावत निज नाथ।'
- ब) "भयानक समस्या है। मूर्खों ने स्वार्थ के लिए साम्राज्य के गौरव का सर्वनाश करने का निश्चय कर लिया है।"
- क) "अत्रि मुनि, तो मेरी तीक्ष्ण बुद्धि की बात सुनिए ध्यान देकर!
पृथु को हमने पराक्रमी, वीर-श्रेष्ठ और योद्धा के रूप में
अभिषिक्त किया, लेकिन वह बन बैठा है उद्योगवीर।.....
राजा पृथु, हम लोगों को दूध की मक्खी की तरह निकाल फेंकेगा?"

P. T. O.

विभाग -2

- प्र.4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : (08)
- अ) 'अंडे के छिलके' एकांकी का उद्देश स्पष्ट कीजिए ।
ब) 'नीली' झील' एकांकी की मूल संवेदना और उद्देश का विवेचन कीजिए ।
क) 'तीन अपाहिज के कथ्य पर अपने विचार लिखिए ।
- प्र.5 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (08)
- अ) 'तीन अपाहिज' एकांकी के पात्रों पर प्रकाश डालिए ।
ब) 'नींद क्यों रात भर नहीं आती' एकांकी के शिल्पगत वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।
क) 'वैष्णव जन' एकांकी से गांधीजी की प्रामाणिकता सिद्ध कीजिए ।
- प्र.6 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (08)
- अ) आशा देवी के चरित्र की विशेषता लिखिए ।
ब) लौका 'हरिश्चंद्र' का नाटक क्यों खेलता है?
क) 'मुक्ती का रहस्य' नाटक का उद्देश स्पष्ट कीजिए ।
- प्र.7 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए: (08)
- अ) डॉ. त्रिभुवन नाथ का चरित्र-चित्रण
ब) 'सत्य हरिश्चंद्र' की प्रतीकात्मकता
क) 'मुक्ती का रहस्य' नाटक की संवेदना ।

* * * *